न्यायालय उपखण्ड अधिकारी श्रीडूंगरगढ जिला बीकानेर

निर्णय दिनांकः 24/12/2021

मुकदमा नम्बर 43/2021

1. पप्पूनाथ पुत्र सोहननाथ जाति सिद्ध निवासी लिखमादेसर तहसील श्रीडूंगरगढ

2. सुशीला पत्नि पप्पुनाथ जाति सिद्ध निवासी लिखमादेसर तहसील श्रीडूंगरगढ

–प्रार्थी–

–बनाम–

1.यासीन पुत्र. रहमतुल्ला जाति मुसलमान निवासी श्रीडूंगरगढ

2.वर्षा पुत्री सुशील जाति ब्राह्मण निवासी श्रीडूंगरगढ

3. संजु पुत्री सुशील जाति ब्राह्मण निवासी श्रीडूंगरगढ

4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार भूराजस्व श्रीडूंगरगढ़

–अप्रार्थीगण–

उपस्थितिः–

1.प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित।

2.अप्रार्थी संख्या 1 के अधिवक्ता उपस्थित

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

प्रार्थीगण की तरफ से प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा निम्न प्रकार प्रस्तुत है प्रार्थीगण ने उपरोक्त अनुवानी दावा न्यायालय श्रीमान के समक्ष पेश कर दिया है जिसमे प्रार्थीगण को सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है। प्रार्थीगण व अप्रार्थी संख्या 1 ता 3 का सयुक्त खातेदारी का खेत खसरा नंबर 1004 रकबा 7.1600 हैक्टयर बारानी रोही ग्राम जैतासर तहसील श्रीडूंगरगढ मे स्थित है। जिस पर कब्जा काश्त हिस्सा अनुसार प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण का शांतिपूर्वक निरन्तर चला आ रहा है। वादगत रकबा मे प्रार्थी संख्या 1 का 1/8 हिस्सा (0.895 हैक्टेयर)व प्रार्थी संख्या 2 का 11/96 हिस्सा (0.8204) कुल 1.7154 हैक्टेयर राजस्व रिकार्ड मे दर्ज है। जिस पर प्रार्थीगण की संयुक्त कब्जा काश्त चली आ रही है जो वादगत रकबा मे दक्षिण दिशा मे है तथा प्रार्थीगण ने अपने हिस्सा की कृषि भूमि पर खाद आदि डालकर सरलीकरण कर उपजाउ बना रखी है एवं अपने हिस्सा की भूमि पर पानी का कुण्ड झोपडा बना रखा है। इसलिये प्रार्थीगण को वादगत रकबा मे अपने हिस्सा का विभाजन करवाने का अधिकार प्राप्त है। ... प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण अलग अलग ... अलग परिवार के होने के कारण संयुक्त रूप मे काश्त किया जाना ... नही रहा है। इसलिये प्रार्थीगण ने दिनांक 05.02.2021 को अप्रार्थीगण को तहसील कार्यालय चलकर वादगत रकबा मे कब्जा काश्त के अनुसार अपने अपने हिस्सा का विभाजन करवाने का निवेदन किया तो तो अप्रार्थीगण ने इंकार कर दिया व प्रार्थीगण को धमकी देते हुये कहा कि हम उक्त खेत मे तुम्हारे हिस्सा की भूमि पर कब्जा कर तुम्हारे हिस्से की भूमि को किसी अजनबी व्यक्ति का विक्रय कर देगे ऐसी स्थिति मे प्रार्थीगण के लिये अप्रार्थीगण के अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करना आवश्यक हो गया है। उक्त खेत प्रार्थीगण की सयुक्त खातेदारी के होने से व प्रार्थीगण का अपने अपने हिस्से पर कब्जा

Signature Not Verified
Digitally signed by Divya
Date: 2022.09.16 17:16:20 IST
Reason: SelfAttested

काश्त व उपयोग उपभोग चला आने से प्रथम दृष्टया मामला व सुविधा का संतुलन प्रार्थीगण के पक्ष मे है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण को वादगत खेत को गलत रूप से विक्रय रहन बैय करने की धमकी दे रहे है। अगर अप्रार्थीगण अपने गलत उद्देश्यो मे सफल हो गये तो प्रार्थीगण अपूर्तिय क्षति होगी ।

आदेश

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया ।अप्रार्थी संख्या 1 की तरफ जवाब प्रार्थना पत्र पेश किया । अप्रार्थी संख्या 2 ता 3 तलवी समाचार पत्र मे प्रकाशित की गयी लेकिन न्यायालय मे निर्धारित दिनांक तक अप्रार्थी 2 ता 3 जरिये असालतन व वकालतन उपस्थित नही हुये लिहाजा इनके एक तरफा कार्यवाही अमल मे लाई जाती है। अप्रार्थी संख्या 1 द्वारा जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के साथ ही बहस प्रार्थना पत्र हेतु निवदेन किया गया जिस पर अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा कोई आपति नही की गई। बहस सुनी गई। पत्रावली मे प्रस्तुत दस्तावेजो का अवलोकन किया गया । वकील प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यो को दोहाराया गया । अप्रार्थी संख्या 1 की तरफ जवाब प्रार्थना पत्र पेश किया कि उक्त खसरा नंबर 1004 की वास्तविक स्थिति यह कि खसरा मौका पर अलग अलग है तथा प्रार्थीगण ने अपने हिस्से भूमि तक अपनी सीव कयाम कर रखी है। अप्रार्थी संख्या 1 पर अनुचित दवाब बनाये हुए है।

बहस उभयपक्ष सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया। उपर्युक्त विवेचन के आधार पर प्रथम दृष्टया प्रकरण मे सुविधा का संतुलन व अपूर्णनीय क्षति के बिन्दु प्रार्थी के पक्ष मे नही होने के कारण वादगत भूमि पर दिनांक 10.02.2021 को जारी अंतरिम निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र खारीज किया जाता है।

आदेश आज दिनांक 24.12.2021 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया। पत्रावली बाद निर्णय दायरा रजिस्टर मे कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

आदेश सुनाया गया ।

कार्यालय उपखण्ड अधिकारी श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) सत्यमेव जयते

Divya
उपखण्ड अधिकारी
श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

Signature Not Verified
Digitally signed by Divya
Date: 2022.09.16 17:16:20 IST
Reason: SelfAttested